चतुर्मासोत्तरकालीन निर्देश

निम्नांकित सिंघाड़े दर्शन करें–

मुनि धर्मचंदजी-मुनि फतेहचंदजी
मुनि वत्सराजजी-मुनि जम्बूकुमारजी
मुनि विमलकुमारजी
मुनि संयजकुमारजी-मुनि प्रसन्नकुमारजी
मुनि दर्शनकुमारजी
साध्वी पानकुमारीजी (श्रीडूंगरगढ़) 'प्रथम'
साध्वी फूलकुमारीजी (लाडनूं)
साध्वी रामकुमारीजी (सरदारशहर)
साध्वी मोहनकुमारीजी (श्रीडूंगरगढ़)
साध्वी राजीमतीजी
साध्वी भाग्यवतीजी (श्रीडूंगरगढ़)
साध्वी जसवतीजी
साध्वी धनश्रीजी
साध्वी गुलाबकुमारीजी (सरदारशहर)
साध्वी सरस्वतीजी
साध्वी राकेशकुमारीजी
साध्वी अणिमाश्रीजी
साध्वी कमलरेखाजी
साध्वी काव्यलताजी
साध्वी पीयूषप्रभाजी

विहार करें–

मुनि भूपेन्द्रकुमारजी	मध्य प्रदेश की ओर
साध्वी तेजकुमारीजी और साध्वी रविप्रभाजी	हरियाणा की ओर
साध्वी कंचनप्रभाजी (सुजानगढ़)	गुजरात की ओर
साध्वी विनयश्रीजी (श्रीडूंगरगढ़) 'द्वितीय'	मेवाड़ की ओर
साध्वी अशोकश्रीजी और साध्वी सत्यप्रभाजी	महाराष्ट्र की ओर
साध्वी सुमनश्रीजी	राजस्थान की ओर
साध्वी स्वर्णरेखाजी	महाराष्ट्र-गुजरात की ओर

- विशेष निर्देश के सिवाय शेष सभी सिंघाड़े अपने-अपने क्षेत्रों-चोखलों में विचरण करें।
- विशेष निर्देश के सिवाय श्रीडूंगरगढ़ पहुंचने वाले सिंघाड़े ३० नवम्बर के बाद वहां पहुंचें।
- विशेष निर्देश के सिवाय भारत व नेपाल में विचरण करने वाले सभी समणी वर्ग ३० नवम्बर के बाद दर्शन करें।

जैन विश्व भारती, लाडनूं
२६ सितम्बर २००६

आचार्यश्री की निश्रा में
युवाचार्य महाश्रमण